भारत सरकार

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 4663

जिसका उत्तर 21.08.2025 को दिया जाना है

बेंगलुरु को प्रमुख शहरों से जोड़ने वाले एक्सप्रेसवे

†4663. श्री पी. सी. मोहन:

क्या सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) बेंगलुरु को चेन्नई, हैदराबाद, पुणे और अन्य प्रमुख शहरों से जोड़ने के लिए विकसित किए जा रहे एक्सप्रेसवे की वर्तमान स्थिति क्या है, साथ ही उनकी कुल लंबाई, अनुमानित लागत और पूरा होने की अपेक्षित तिथि क्या है;

(ख) क्या भूमि अधिग्रहण, पर्यावरणीय स्वीकृति या अन्य बाधाओं के कारण इनमें से किसी भी परियोजना में विलंब हुआ है, यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) इन एक्सप्रेसवे से यात्रा समय में कमी, विद्यमान राष्ट्रीय राजमार्गों (एनएच) पर भीड़भाड़ कम होने, आर्थिक विकास और क्षेत्रीय संपर्क के संदर्भ में क्या अपेक्षित लाभ होंगे;

(घ) भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) और राज्य सरकार की इन एक्सप्रेसवे के कार्यान्वयन और पूरा होने के बाद अनुरक्षण में क्या भूमिका है; और

(ङ) क्या सरकार का एक्सप्रेसवे पारिस्थितिकी तंत्र के भाग के रूप में स्मार्ट अवसंरचना सुविधाओं, संभार-तंत्र पार्कों या हरित गलियारों को शामिल करने का विचार है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री

(श्री नितिन जयराम गडकरी)

(क) सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय, देश में राष्ट्रीय राजमार्गों के सुधार/चौड़ीकरण/निर्माण हेतु व्यवहार्यता अध्ययन/विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करता है। परियोजना के कार्यान्वयन और निवेश का निर्णय डीपीआर के परिणाम, संपर्कता की आवश्यकता, पारस्परिक प्राथमिकता और प्रधानमंत्री गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के साथ तालमेल के आधार पर लिया जाता है। बैंगलोर-चेन्नई एक्सप्रेसवे की स्थिति अनुलग्नक में दी गई है। जहाँ तक बेंगलुरु से हैदराबाद और पुणे के बीच संपर्कता का संबंध है, दोनों परियोजनाओं के लिए डीपीआर सौंप दी गई है।

(ख) बेंगलुरु-चेन्नई एक्सप्रेसवे में आने वाली समस्याएं

(1) कर्नाटक:

(i) धीमी गति से संवितरण के कारण भूमि अधिग्रहण में विलंब, कार्य सौंपते समय पेड़ों/प्रभावित संरचनाओं का मूल्यांकन न होना, जनता का प्रतिरोध, सर्विस रोड की मांग और मुख्य कैरिजवे से पहुंच की मांग।

(ii) आरओडब्ल्यू के लिए मुआवजे के निर्धारण में देरी से ईएचटी लाइनों का स्थानांतरण प्रभावित हुआ।

(iii) धार्मिक संरचनाओं के स्थानांतरण में विलंब।

(2) आंध्र प्रदेश:

(i) कौंडिन्य वन्यजीव अभयारण्य के 10 किलोमीटर डिफ़ॉल्ट इको-सेंसिटिव ज़ोन (ईएसजेड) में कार्य करने की अनुमति के लिए एससी-एनबीडब्ल्यूएल से अनुमोदन में देरी के कारण प्रारंभिक विलंब।

(3) तमिलनाडु:

(i) ईएचटी टावरों के निर्माण के लिए उपयोग की जाने वाली भूमि के लिए फसल मुआवजे की मंजूरी/संवितरण में देरी के कारण ईएचटी टावरों के स्थानांतरण में विलंब हुआ।

(ii) माननीय एनजीटी के आदेश दिनांक 17.08.2023 के कारण भारी मात्रा में मिट्टी संबंधी कार्य और मिट्टी निकालने की अनुमति में विलंब।

(iii) कई स्थानों पर 7 किमी से अधिक दूरी तक कठोर चट्टानों को काटा जाना/नियंत्रित विस्फोट किया जाना, जो कि आबादी वाले क्षेत्र और मौजूदा राष्ट्रीय राजमार्ग के बहुत निकट है।

(iv) आरओबी (3) के निर्माण के लिए अनुमोदन / अनुमति प्राप्त करने में विलंब।

(v) पैकेज-III, चरण-III में रियायतग्राही की वित्तीय बाधाएं।

(ग) उच्च गति गलियारे से प्रमुख शहरों तथा औद्योगिक केंद्रों के बीच की दूरी कम होने की उम्मीद है, जिससे यात्रा का समय कम होगा, गति बढ़ेगी तथा लॉजिस्टिक लागत में कमी आएगी।

(घ) भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) राज्य में उच्च गति गलियारों सहित विभिन्न राष्ट्रीय राजमार्ग विकास परियोजनाओं पर कार्य कर रहा है। राज्य सरकार भूमि अधिग्रहण सहित निर्माण-पूर्व गतिविधियों में सहायता प्रदान कर रही है।

(ङ) पीएम गति शक्ति के सिद्धांत के अनुरूप दूरसंचार केबल, यूटिलिटी लाइन जैसी अन्य अवसंरचनाओं को सुकर बनाने के लिए उन्नत यातायात प्रबंधन प्रणाली, मार्गस्थ सुविधाएं, मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक पार्क, यूटिलिटी कॉरिडोर जैसी स्मार्ट अवसंरचना खूबियों को पहुंच नियंत्रित हाईवे/एक्सप्रेसवे की विकास योजना का अंग बनाया जाता है।

'बेंगलुरु को प्रमुख शहरों से जोड़ने वाले एक्सप्रेसवे' के संबंध में श्री पी. सी. मोहन द्वारा दिनांक 21.08.2025 को पूछे गए लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 4663 के भाग (क) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक

बेंगलुरु-चेन्नई एक्सप्रेसवे की स्थिति

क्र.सं.	परियोजना का नाम	लंबाई (किमी में)	कुल परियोजना लागत (करोड़ में)	वास्तविक प्रगति (%)	पूर्ण होने की निर्धारित संशोधित तिथि
1	एनई-07 का बैंगलोर-चेन्नई एक्सप्रेसवे चरण-I पैकेज-1	27.1	2481	पूर्ण	
2	एनई-07 का बैंगलोर-चेन्नई एक्सप्रेसवे चरण-I पैकेज-2	27.1	1180.2	पूर्ण	
3	एनई-07 का बैंगलोर-चेन्नई एक्सप्रेसवे चरण-I पैकेज-3	17.5	784.22	पूर्ण	
4	आंध्र प्रदेश में एनई-7 (चरण-II, पैकेज-I) का कर्नाटक से बायरेड्डीपल्ली खंड में बेथमंगला (किमी 71.0 - किमी 96.0)	25	1306.96	90.1	दिसंबर, 2025
5	आंध्र प्रदेश में (चरण-II, पैकेज-II) में एनई-7 खंड के बायरेड्डीपल्ली से बंगारुपलेम (किमी 96.0 - किमी 127.0)	31	2171.37	70.1	जून, 2026
6	बंगारुपलेम से गुडीपला (आंध्र प्रदेश में एनई-7 खंड के किमी 127.0 से किमी 156.0 तक (चरण- II, पीकेजी- III)	29	1288.55	पूर्ण	
7	गुडीपाला से वालाजाहपेट (किमी 156.0 - किमी 180.0) (चरण-III, पैकेज-I)	24	1028.47	88.1	अक्टूबर, 2025
8	वालाजाहपेट से अरक्कोणम (किमी 180.0 - किमी 204.50) (चरण- III, पैकेज-II)	24.5	843.48	91.3	अक्टूबर, 2025

9	अराक्कोनम से कांचीपुरम (किमी 204.5 - किमी 230.0) (चरण- III, पैकेज-III)	25.5	1155.49	53.6	मार्च, 2026
10	कांचीपुरम से श्रीपेरंबुदूर खंड (किमी 230.0 - किमी 261.705 (चरण- III, पैकेज-IV)	31.7	2948.39	79.0	दिसंबर, 2025
कुल		262.4	15188		

*****